हिन्दी साप्ताहिक

R.N.I. No. UPHINè2022è83621

जनता का सच

वर्ष 04 अंक 43 | लखनऊ शनिवार 01 नवम्बर 2025 | पृष्ठ 04 मूल्य 2 रूपया

जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय एकता दिवस की दिलायी शपथ

बीके यादव,

प्रयागराज : जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने शुक्रवार को संगम सभागार में भारत रत्न लौहपुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती दिनांक 31 अक्टूबर, 2025 ''राष्ट्रीय एकता दिवस'' के अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। संगम सभागार में देश की एकता और अखण्डता के लिए ''राष्ट्रीय एकता दिवस'' के अवसर पर पर शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया और जहां पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जिलाधिकारी ने ''राष्ट्रीय एकता दिवस'' की शपथ दिलायी।''मैं सत्यनिष्ठा से शपथ लेता हूं कि मैं राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाये रखने के लिए स्वयं को समर्पित करूंगा और अपने देशवासियों के बीच यह संदेश फैलाने का भी भरसक प्रयत्न करूंगा। मैं यह शपथ अपने देश की एकता की भावना से ले रहा हूं, जिसे सरदार वल्लभ भाई पटेल की दूरदर्शिता एवं कार्यों द्वारा सम्भव बनाया जा सका।

सरदार पटेल ने रखी 563 रियासतों को जोड़कर अखंड भारत की नींव : योगी

जातिवाद, परिवारवाद या छुआछूत के आधार पर समाज को बांटने वालों का करें विरोध

संवाददाता

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर रन फॉर यूनिटी का शुभारंभ किया। उन्होंने सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और कहा कि भारत की अखंडता और एकता के लिए जिन्होंने अपना जीवन समर्पित किया, उन लौह पुरुष सरदार पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब हम उनके आदर्शों को अपने आचरण में उतारें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन, समर्पण और त्याग हर भारतीय के लिए प्रेरणास्रोत है। इस राष्ट्रीय एकता दिवस पर हम संकल्प लें कि जाति, भाषा, धर्म और क्षेत्र से ऊपर उठकर भारत की एकता और अखंडता को सुदृढ़ बनाएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2014 से ही देश में उन महान सपूतों को सम्मान देने की परंपरा शुरू हुई है, जिन्होंने भारत को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया। आज पूरे देश में 600 से अधिक स्थानों पर रन फॉर यूनिटी के माध्यम से युवाओं में राष्ट्रभक्ति और एकता की भावना को प्रबल करने का यह अभियान चलाया जा रहा है। हमारी भारतीय परंपरा में कहा गया है किशिशवो भूत्वा शिवं यजेतश्, अर्थात जिसे हम पूजते हैं, उसके अनुरूप हमें स्वयं को ढालना चाहिए। केवल भाषणों में नहीं बल्कि व्यवहार में भी एकता और अखंडता के मूल्यों को अपनाना ही सच्ची श्रद्धांजलि है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केवड़िया गुजरात में श्स्टैच्यू ऑफ यूनिटीश् के रूप में सरदार पटेल की स्मृति को जीवंत बनाया गया है, जो आज राष्ट्रीय प्रेरणास्थली बन चुकी है।मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल ने स्वतंत्रता के बाद ब्रिटिश साजिशों को नाकाम करते हुए 563 रियासतों को भारत गणराज्य में शामिल कर अखंड भारत का निर्माण किया। जब हैदराबाद और जूनागढ़ की रियासतों ने भारत में विलय से इनकार किया, तब लौह पुरुष ने पहले संवाद का रास्ता अपनाया लेकिन जब राष्ट्र की अखंडता पर संकट आया तब कठोर निर्णय लेकर भारत की एकता को सुरक्षित किया। उन्होंने साफ कहा था कि भारत की अखंडता के साथ कोई खिलवाड़ स्वीकार्य नहीं। सीएम ने कहा प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाकर अखंड भारत के उस संकल्प को साकार किया, जो सरदार पटेल ने देखा था। यह उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरदार पटेल की 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश से सांस्कृतिक दल और हस्तशिल्पियों का प्रतिनिधिमंडल केवड़िया जाएगा।

आरएसएस पर फिर लगे प्रतिबंध : खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर फिर से प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए क्योंकि देश में उसके और भारतीय जनता पार्टी की वजह से गड़बड़ियां हो रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह उनकी निजी राय है कि संघ पर प्रतिबंध लगाया जाये। खरगे ने शुक्रवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल के जवाब में कहा कि भाजपा और आरएसएस हमेशा देश के लिए घातक रहे हैं और आरएसएस पर फिर से प्रतिबंध लगा देना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल के अनुसार आरएसएस और हिंदू महासभा की गतिविधियों के कारण देश में जिस तरह का माहौल बना उसी के कारण गांधीजी की हत्या हुई थी। इसी वजह से श्री पटेल ने इस संगठन को प्रतिबंधित कर दिया था। उन्होंने कहा, मैं आपको सरदार पटेल की बात याद दिलाना चाहता हूं।

सीएम मोहन यादव ने लिया मगरमच्छों की आजादी का संकल्प

संवाददाता

खंडवा : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने विशेष संकल्प को गुरुवार को पूरा करते हुए खंडवा जिले के नर्मदानगर में मां नर्मदा के पवित्र जल में 06 मगरमच्छों को छोड़ा. भोपाल वन विहार से लाए गए ये मगरमच्छ अब अपने प्राकृतिक आवास में जीवन व्यतीत करेंगे. मां नर्मदा को धार्मिक मान्यताओं में जीवनदायिनी कहा गया है, और मगरमच्छ को उनका वाहन माना जाता है.

मुख्यमंत्री के इस संकल्प का उद्देश्य न केवल मगरमच्छों को उनके प्राकृतिक वातावरण में पुनर्स्थापित करना था, बल्कि नर्मदा संरक्षण और जैव विविधता को भी बढ़ावा देना था. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लंबे समय से यह संकल्प लिया था कि वे मां नर्मदा के संरक्षण और उनके तटों की जैव विविधता को सशक्त बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाएंगे. इस संकल्प को साकार करने के लिए वह गुरुवार दोपहर करीब 03 बजे हेलीकॉप्टर से भोपाल से रवाना होकर खंडवा जिले के नर्मदानगर पहुंचे.

इससे पहले जिला प्रशासन, वन विभाग और पुलिस विभाग ने पूरे कार्यक्रम को लेकर व्यापक तैयारियां कर ली थीं. सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया. नर्मदा तट पर पहुंचकर मुख्यमंत्री ने सबसे पहले मां नर्मदा की विधिवत पूजा-अर्चना की. इसके बाद उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में 06 मगरमच्छों को सावधानी पूर्वक नर्मदा नदी में छोड़ा. इस दौरान नदी के किनारे मौजूद लोगों ने 'जय नर्मदा' के जयघोष के साथ इस पल का स्वागत किया. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस अवसर पर कहा 'मां नर्मदा प्रदेश की जीवनरेखा है. उनकी गोद में बसने वाले प्रत्येक जीव हमारे पर्यावरण संतुलन के प्रतीक हैं. वन्य जीवों का संरक्षण सरकार की प्राथमिकता में है और आने वाले समय में प्रदेश के अन्य जलाशयों और नदियों में भी इस तरह के संरक्षण कार्य किए जाएंगे.'

कांग्रेस की तेलंगाना सरकार में मंत्री बने अजहरुद्दीन

हैदराबाद। कांग्रेस नेता और पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन ने शुक्रवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के मंत्रिमंडल में मंत्री पद की शपथ ली। राजभवन में आयोजित एक सादे समारोह में राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने मुख्यमंत्री सहित कई महत्वपूर्ण नेताओं की उपस्थिति में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान को शपथ दिलाई। अजहरुद्दीन के शामिल होने से मंत्रिमंडल में कुल सदस्यों की संख्या 16 हो गई है, जबकि दो और जगह खाली हैं।

विधानसभा सदस्यों की संख्या के अनुसार, तेलंगाना में अधिकतम 18 मंत्री हो सकते हैं। पूर्व क्रिकेटर को मंत्रिमंडल में शामिल किया जाना एक अहम कदम माना जा रहा है, क्योंकि कांग्रेस पार्टी जुबली हिल्स उपचुनाव में पूरी ताकत से लड़ रही है, जहां एक लाख से अधिक मुस्लिम मतदाता निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं।

पीएम नरेन्द्र मोदी कर सकते हैं सैन्यधाम का लोकार्पणः धामी

सीएम बोले- हमारी सरकार में भ्रष्टाचार या गड़बड़ी की कोई संभावना नहीं

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के पांचवें धाम, सैन्य धाम का राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर लोकार्पण किया जाना है। संभावना जताई जा रही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सैन्य धाम का लोकार्पण करेंगे। सैन्य धाम के लोकार्पण से पहले उठे सवालों पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कटाक्ष किया है। सीएम धामी ने कहा कि सैन्य धाम से संबंधित मामले की जांच ठोक बजाकर, ठीक तरीके से की जा चुकी है।

दरअसल, उत्तराखंड में सैन्य धाम के लोकार्पण की तैयारी जोरों शोरों से चल रही हैं। संभावना जताई जा रही है कि 9 नवंबर को यानी राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सैन्य धाम का लोकार्पण करेंगे। उससे पहले ही इसको लेकर विवाद शुरू हो गया है। एडवोकेट विकेश नेगी ने प्रधानमंत्री कार्यालय को पत्र लिखकर सैन्य धाम निर्माण से जुड़ी अनियमितताओं को लेकर शिकायत की है। इसके साथ ही उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने भी सैन्य धाम को भ्रष्टाचार पर खड़ी हुई शहादत की दीवार कहा है। इसके बाद से ही सैन्य धाम को लेकर विवाद शुरू हो गया है।

दरअसल, राज्य स्थापना दिवस को 25 साल पूरे हो रहे हैं। ऐसे में राज्य सरकार इस 25वीं वर्षगांठ को रजत जयंती वर्ष के रूप में मना रही है। ऐसे में प्रदेश भर में तमाम कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल होंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तराखंड में बने पांचवें धाम के रूप में देहरादून गुनियाल गांव में नवनिर्मित सैन्य धाम का लोकार्पण भी कर सकते हैं। साथ ही राज्य स्थापना दिवस को लेकर आहूत होने वाले विशेष सत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का संबोधन होगा।

सैन्य धाम पिछले लंबे समय से विवादों में रहा है, क्योंकि सैन्य धाम का निर्माण कार्य 15 दिसंबर 2023 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था। लेकिन तय किए गए लक्ष्य पर निर्माण कार्य पूरा नहीं हो पाया। इसके अलावा, समय -समय पर सैन्य धाम को अलग-अलग विवादों का सामना करना पड़ा। ऐसे में अब जब सैन्य धाम के लोकार्पण की तिथि फाइनल हो गई, उसके बाद एक बार फिर विवाद शुरू हो गया है।

ऑपरेशन सिंदूर ने बदल दी युद्ध की परिभाषा

कर्नल ने हर नागरिक को बताया राष्ट्ररक्षक

विशाखापट्टनम। विशाखापट्टनम में आयोजित यंग लीडर्स फोरम में सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी और कर्नल सोफिया कुरैशी ने युवाओं से देश की सुरक्षा और विकास में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। इस फोरम का उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति युवाओं को जागरूक और सशक्त बनाना था।

कर्नल सोफिया कुरैशी ने अपने भावुक संबोधन में कहा, 'जब मेरा जन्म हुआ, मेरी मां ने कहा- तुम आजाद भारत में जन्मी हो।' मैं चाहती हूं कि हर युवा इस गर्व को महसूस करे। देश की रक्षा सिर्फ सेना की नहीं, हर नागरिक की जिम्मेदारी है। 'उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने युद्ध की परिभाषा बदल दी है, 'इस ऑपरेशन ने साबित किया कि शांति और स्थिरता बिना युवाओं और नागरिकों की भागीदारी के संभव नहीं।

भारत अब मल्टी-डोमेन प्रिसिजन वॉरफेयर, आत्मनिर्भरता, और तीनों सेनाओं के समन्वय का प्रतीक बन चुका है।'कर्नल सोफिया ने कहा कि भारत की प्राचीन परंपरा हमें सिखाती है कि राष्ट्र की रक्षा शास्त्र (ज्ञान) और शस्त्र (बल) दोनों से होती है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा सचिवालय में राष्ट्रीय एकता दिवस पर सरदार वल्लभ भाई पटेल को किया नमन

संवाददाता

चंडीगढ़ : राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर हरियाणा सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने की शपथ भी दिलाई।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि लौह पुरुष सरदार पटेल सही मायने में राष्ट्रीय एकता के प्रतीक और अखंड भारत के शिल्पी थे। आजादी के बाद उन्होंने भारत के प्रथम गृह मंत्री के रूप में अपनी कुशल प्रशासनिक क्षमता से देश की नींव मजबूत की। उस समय देश सैकड़ों रियाासतों और राजघरानों में बंटा हुआ था, लेकिन सरदार पटेल ने 562 रियासतों का भारतीय संघ में विलय कराकर अखंड भारत और राष्ट्रीय एकता की आधारशिला रखी।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज भारत दुनिया की महाशक्ति बनने की राह पर है, जिसकी नींव सरदार पटेल ने रखी थी। उनके अखंड भारत के सपने को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाकर साकार किया। प्रधानमंत्री ने गुजरात के नर्मदा जिले में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का निर्माण कर सरदार पटेल को युगों-युगों तक जीवित रखने का कार्य किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सबको सरदार पटेल के जीवन से प्रेरणा लेकर देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए समर्पित रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह दिवस न केवल एक महापुरुष को स्मरण करने का अवसर है, बल्कि यह हम सबको एक भारत, श्रेष्ठ भारत के संकल्प को दोहराने का भी दिन है। मुख्यमंत्री ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए स्वयं को समर्पित करने की शपथ दिलाई।

कार्यक्रम में मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने राष्ट्र की एकता और अखंडता के बेजोड़ शिल्पी सरदार पटेल को नमन करते हुए कहा कि सरदार पटेल ने विकट परिस्थितियों में अपनी कुशाग्र बुद्धि और मजबूत इरादों के बल पर 562 रियासतों का विलय करवाकर देश को एकता के सूत्र में पिरोने का असाध्य काम करते हुए भारत को अखंड भारत बनाने का काम किया। दुनिया के इतिहास में शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति हुआ हो, जिसने बिना किसी रक्तपात के इतनी बड़ी संख्या में रियासतों का विलय करवाया हो। श्री रस्तोगी ने कहा कि सरदार पटेल का जीवन त्याग, समर्पण और दृढ़ संकल्प का प्रतीक था। सरदार पटेल एक ऐसा भारत बनाना चाहते थे, जहां प्रशासनिक ढांचा अनुशासन, निष्ठा और सेवा भावना पर आधारित हो।

भारत-अमेरिका के बीच ऐतिहासिक समझौता

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच एक 10 वर्षीय रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं। दोनों देशों के रिश्तों के लिए इसे अहम समझौता बताया जा रहा है। अमेरिका के युद्ध मंत्री ने समझौते पर हस्ताक्षर के बाद कहा कि दोनों देशों के रक्षा संबंध इतने मजबूत कभी नहीं रहे। अमेरिकी युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में बताया कि उनकी भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात हुई और एक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर हुए।

उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच हुआ समझौता क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि सूचनाएं साझा करने, तकनीकी सहयोग बढ़ाने में हम अपने समन्वय को बेहतर कर रहे हैं।

अन्त्योदय नये भारत का आधारः वंचित के उत्थान का संकल्प

ललित गर्ग

अंत्योदय दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि राष्ट्र की शक्ति का वास्तविक स्रोत वह अंतिम व्यक्ति है जो आज भी अभावों में जी रहा है। यदि उसका जीवन सुधरता है, तभी भारत वास्तव में समृद्ध और सशक्त बन सकता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय दर्शन आज भी हमारे लिए पथप्रदर्शक है। यह केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि मानवीयता का धर्म है। हमें यह संकल्प लेना होगा कि किसी भी योजना, किसी भी नीति या किसी भी प्रयास का केन्द्र सदैव समाज का अंतिम व्यक्ति होगा।

भारत की सांस्कृतिक और दार्शनिक चेतना में सदैव यह विचार रहा है कि समाज की वास्तविक उन्नति तभी संभव है जब समाज का सबसे अंतिम व्यक्ति-वह व्यक्ति जो सबसे अधिक उपेक्षित, वंचित और अभावग्रस्त है, उसके जीवन में भी सुख, सम्मान और समृद्धि का प्रकाश पहुँचे। यही विचारधारा अंत्योदय के रूप में प्रकट हुई। अंत्योदय केवल एक नारा या कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह समाज-जीवन के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत है। अंत्योदय दिवस इसी दर्शन की याद दिलाने और उसे व्यवहार में उतारने का अवसर है। यह दिवस हर वर्ष 25 सितम्बर को मनाया जाता है, क्योंकि यही पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मतिथि है। दीनदयाल उपाध्याय ने अंत्योदय के सिद्धांत को भारतीय राजनीति और समाज के केन्द्र में स्थापित किया। उन्होंने कहा था कि राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्ति नहीं, बल्कि उस सत्ता का उपयोग समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन को बेहतर बनाने के लिए होना चाहिए।

आज गांव, गरीब और स्वराज में दीनदयाल उपाध्याय की ही सोच आगे बढ़ रही है कि आज भारत में लोकतंत्र की चाल, चेहरा और चरित्र बदला जा रहा है तथा आस्थाओं की राजनीति को बल देते हुए जाति-धर्म का उन्माद नियंत्रित किया जा रहा है। महात्मा गांधी, आंबेडकर और दीनदयाल उपाध्याय आज इसलिए भारत निर्माण की नई व्याख्याओं में सबसे आगे हैं। वसुधैव कुटुम्बकम एवं सर्वधर्म सद्भाव का विचार आज सर्वाधिक बलशाली बन कर दुनिया के लिये आदर्श बन गया है। अंत्योदय दिवस मनाने का मूल उद्देश्य हमें यह स्मरण कराना है कि लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ तभी साकार होता है जब समाज का अंतिम व्यक्ति भी राष्ट्रीय विकास यात्रा में शामिल हो सके। यह दिवस हमें यह प्रेरणा देता है कि योजनाएँ और नीतियाँ केवल कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि उनका लाभ उस व्यक्ति तक पहुँचे जो वर्षों से उपेक्षा, गरीबी और अभाव का शिकार रहा है। आज भारत नए शिखरों की ओर अग्रसर है। आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और वैश्विक पहचान निरंतर बढ़ रही है। लेकिन यदि यह प्रगति समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति तक नहीं पहुँचती, तो यह विकास अधूरा है। इसलिए अंत्योदय दिवस हमें विकास के मानवीय आयाम की याद दिलाता है। यह नागरिकों और नीति निमार्ताओं को वंचितों का समर्थन करने की जिम्मेदारी का अहसास कराता है। सामाजिक न्याय को बढ़ावा देता है, और पूरे देश में समावेशी विकास को प्रोत्साहित करता है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्म 25 सितम्बर 1916 को हुआ था। वे भारतीय जनसंघ के संस्थापकों में से एक थे और एक प्रखर चिंतक, दार्शनिक तथा समाज सुधारक थे। उनका सबसे बड़ा योगदान था-एकात्म मानववाद और

अंत्योदय का दर्शन। एकात्म मानववाद का अर्थ था कि मनुष्य को केवल आर्थिक इकाई न माना जाए, बल्कि उसके जीवन के सभी आयामों-शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक का संतुलित विकास हो। उनका 'एकात्म मानववाद' का दर्शन व्यक्तिगत और सामूहिक कल्याण, सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता तथा आत्मनिर्भरता पर केंद्रित था। अंत्योदय का अर्थ था विकास की कसौटी पर यह देखना कि समाज में सबसे अंतिम व्यक्ति का जीवन कितना सुधर रहा है। उन्होंने कहा था कि हमारी योजनाओं और प्रयासों की सफलता तभी मानी जाएगी जब सबसे अंतिम व्यक्ति तक उसका लाभ पहुँचे। दीनदयाल जी का यह दर्शन महात्मा गांधी की 'अंतिम जन' की अवधारणा से भी जुड़ा है। गांधीजी कहा करते थे कि किसी भी निर्णय से पहले यह सोचना चाहिए कि उसका लाभ सबसे अंतिम और सबसे कमजोर व्यक्ति तक पहुँचेगा या नहीं। दीनदयाल उपाध्याय ने इसी विचार को राजनीतिक और आर्थिक विमर्श का आधार बनाया। आज जबकि समूची देश एवं दुनिया में संघर्ष की स्थितियां बनी हुई हैं, हर कोई विकास की दौड़ में स्वयं को शामिल करने के लिये लड़ने की मुद्रा में है, कहीं सम्प्रदाय के नाम पर तो कहीं जातीयता के नाम पर, कहीं अधिकारों के नाम पर तो कहीं भाषा के नाम पर संघर्ष हो रहे हैं, ऐसे जटिल दौर में भी अभाव, उपेक्षा एवं संघर्षरत लोगों के लिये पंडित उपाध्याय का 'अंत्योदय' एवं एकात्म मानववाद ही सबसे माकूल हथियार नजर आ रहा है।

'अंत्योदय' का शाब्दिक अर्थ है-'अंतिम व्यक्ति का उदय'। इसका व्यावहारिक अर्थ है कि गरीब को जीवन की बुनियादी आवश्यकताएँ मिलें, किसान, श्रमिक, दलित, आदिवासी और वंचित वर्ग की समस्याओं का समाधान हो, समाज में कोई भी उपेक्षित या निराश्रित न रहे और आर्थिक असमानता घटे गरीबी का संबोधन खत्म हो ताकि सभी को समान अवसर मिलें। यह केवल आर्थिक उत्थान तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, मानवीय गरिमा और आत्मनिर्भरता की स्थापना का भी संदेश है। आज भारत गरीबमुक्ति की ओर अग्रसर होकर इसी विचार एवं दर्शन को मजबूती दे रहा है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्म दिवस को अंत्योदय दिवस के रूप में मनाने निर्णय इसलिये लिया गया कि उन्होंने जीवनभर वंचितों, गरीबों और समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिए चिंतन और कार्य किया। उनका जीवन तपस्या और सादगी का प्रतीक था। वे स्वयं किसी प्रकार की व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से दूर थे, लेकिन समाज के लिए समर्पित थे।

आज जब भारत 'सशक्त भारत' और 'नए भारत' के निर्माण की दिशा में बढ़ रहा है, तब अंत्योदय का महत्व और भी बढ़ जाता है। भारत में अब भी करोड़ों लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन कर रहे हैं। अंत्योदय यह मांग करता है कि शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएँ हर गरीब और वंचित तक पहुँचें। यह भी सुनिश्चित करना चाहता है कि हर हाथ को काम मिले और हर परिवार आत्मनिर्भर हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को आधार बनाकर 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का मंत्र दिया है। यह मंत्र अंत्योदय की ही आधुनिक व्याख्या है। वर्तमान समय में अंत्योदय का दर्शन और भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि वैश्वीकरण और बाजारवाद की दौड़ में गरीब और उपेक्षित वर्ग अक्सर पीछे छूट जाता है। केवल अमीर और सशक्त वर्ग ही विकास का लाभ उठा पाते हैं। यदि समाज का अंतिम व्यक्ति भूखा सोता है, तो हमारी प्रगति अधूरी है। यदि एक किसान आत्महत्या करने को विवश होता है, तो हमारी नीतियाँ अधूरी हैं। यदि आदिवासी, दलित या श्रमिक अब भी शोषण का शिकार हैं, तो हमारा लोकतंत्र अधूरा है। अंत्योदय इन सभी समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करता है। यह हमें याद दिलाता है कि सच्चा विकास वही है, जिसमें हर कोई भागीदार बने।

भारतीय समाज एवं राष्ट्र को सुखी, संपन्न एवं मंगलकारी बनाने के निमित्त 'एकात्म मानव-दर्शन' व 'अन्त्योदय' की अद्भुत संकल्पना देने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्र-निमार्ता एवं समाज-सुधारक महा व्यक्तित्व थे। आज की भारतीय जनता पार्टी उन्हीं के सिद्धान्तों को अग्रसर करते हुए उन्नत, सशक्त एवं विकसित भारत को आकार दे रही है। उन्होंने भारत के जन-मन-गण को गहराई में आत्मसात करते हुए न केवल वैचारिक क्रांति की बल्कि व्यक्ति-क्रांति के भी प्रेरक बने। उनके दर्शन में आज भारत की संस्कृति और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के साथ-साथ मानव को केंद्र-बिंदु में रखकर ही राष्ट्र एवं समाज स्थापना की प्रेरणा मिलती है। सहृदयता, बुद्धिमता, सक्रियता एवं अध्यवसायी वृत्ति वाले पंडित उपाध्याय एक व्यक्ति नहीं, अपितु एक विचार, एक संस्था और जीवन-शैली हैं। भारत और भारतीयता उनके जीवन और चिंतन का आवृत्त है। राष्ट्रसेवा को सर्वोपरि मानने वाले और राष्ट्र एवं समाज के प्रति आजीवन समर्पित रहने वाले पंडितजी ने अपने मौलिक चिंतन से राष्ट्र-जीवन को प्रेरित और प्रभावित किया।

अंत्योदय दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि राष्ट्र की शक्ति का वास्तविक स्रोत वह अंतिम व्यक्ति है जो आज भी अभावों में जी रहा है। यदि उसका जीवन सुधरता है, तभी भारत वास्तव में समृद्ध और सशक्त बन सकता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय दर्शन आज भी हमारे लिए पथप्रदर्शक है। यह केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि मानवीयता का धर्म है। हमें यह संकल्प लेना होगा कि किसी भी योजना, किसी भी नीति या किसी भी प्रयास का केन्द्र सदैव समाज का अंतिम व्यक्ति होगा। अंत्योदय दिवस का संदेश यही है कि नए भारत का निर्माण तभी संभव है जब वंचित और उपेक्षित व्यक्ति का जीवन बदल जाए, जब हर चेहरे पर मुस्कान और हर जीवन में सम्मान हो।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

जाति से मुक्ति का मार्ग

अगर यह प्रयास गंभीर है और इसका अनुपालन भी उतनी ही गंभीरता से होने वाला है, तो इसकी दिल खोल कर प्रशंसा की जानी चाहिए। उत्तर प्रदेश सरकार ने पुलिस रिकॉर्ड.और सार्वजनिक नोटिसों से सभी जातिगत संदर्भों को तत्काल हटाने का आदेश दिया है। वाहनों पर जाति-आधारित स्टिकर लगवाने या नारे लिखवाने वालों पर भी मोटर वाहन अधिनियम के तहत जुमार्ना लगाने का आदेश दिया गया है। हालांकि यह कार्रवाई स्वतः स्फूर्त होने की बजाय इलाहाबाद हाई कोर्ट के रोष से बचने के लिए की गई है। सभी जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों को इस बाबत निर्देश दे दिए गए हैं। इसका उद्देश्य जाति-आधारित भेदभाव खत्म करना है। कार्यवाहक मुख्य सचिव दीपक कुमार ने निर्देश दिया है कि आरोपियों की जाति पुलिस रजिस्टरों, केस विवरण, गिरफ्तारी दस्तावेज या पुलिस थानों के नोटिस बोर्ड. पर दर्ज नहीं की जानी चाहिए। यह निर्देश हाई कोर्ट के आदेश के अनुपालन में जारी किया गया है, और तत्काल प्रभाव से लागू है। आदेश देख कर लगता है कि जैसे उत्तर प्रदेश को जातियों के जंजाल से मुक्ति मिलने ही वाली है। अधिकारियों को कस्बों और गांवों में ऐसे बोर्ड.या संकेत हटाने के लिए भी कहा गया है, जो जातिगत पहचान का महिमामंड़न करते हैं, या क्षेत्र या जाति विशेष से संबंधित बताते हैं। राज्य में राजनीतिक उद्देश्यों वाली जाति-आधारित रैलियों और सार्वजनिक कार्यक्रमों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, जबकि जातिगत गौरव या घृणा को बढ़ावा देने वाली सोशल मीड़िया सामग्री पर कड़ी नजर रखी जाएगी। प्रवीण छेत्री बनाम उत्तर प्रदेश राज्य और अन्य के मामले में हाईकोर्ट ने पुलिस को आरोपी व्यक्तियों की जाति का उल्लेख नहीं करने का निर्देश दिया था और राज्य को सार्वजनिक और ड़िजिटल माध्यमों में जाति का महिमामंड़न रोकने का निर्देश दिया। सवाल है कि क्या आदेश का अनुपालन संभव हो पाएगा? हजारों सालों से यूपी ही नहीं, पूरे देश में जातिगत भेदभाव का कीड़ा लगा हुआ है। नाम से पहले 'जाति' पूछने की मानसिकता का क्या होगा? आज भी कथित ऊंची जातियों के गांवों में कोई 'छोटी जात' वाला कुर्सी पर नहीं बैठ सकता। इन लोगों का शादियों में घोड़ी चढ़ऩा आज भी भारी पुलिस सुरक्षा के बिना संभव नहीं है। इस आदेश के अनुपालन के लिए भारी जोर-जबरदस्ती देखने को मिलने वाली है। यह बुराई इतने गहरे पैठ चुकी है कि लोग पिट कर भी गौरवान्वित महसूस करेंगे।

चिंतन-मनन

वाणी का शरीर पर प्रभाव

-प्रसन्नता से होता है शरीर पुष्ट एवं प्रोध से होती है हानी

मानव शरीर में अनेक ग्रंथियां होती हैं,पियूष ग्रंथि मस्तिष्क में होती है, उससे 12 प्रकार के रस निकलते है, जो भावनाओं से विशेष प्रभावित होती हैं। जब व्यक्ति प्रसन्नचित होता है, तो इन ग्रनथियों से विशेष प्रकार के रस बहने लगते है, जिससे शरीर पुष्ट होने लगता है, बुद्धि विकसित होती है, रक्त गति सामान्य रहती है। जब मनुष्य अधिक बोलता है, तो रक्त की गति अनावश्यक प्रभावित होती है। जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है,खून के थक्के बनने लगते है । इसी प्रकार प्रोध अधिक करने से खून का बहाव कम हो जाता है, खून जमने की शक्ति बढ़ जाने से मृत्यू भी संभव है। अपने जीवन में ज्यादा बोलना अभिशाप हो सकता है। अधिक बोलने से पाचन क्रिया पर गलत प्रभाव पड़ता है, शरीर की अधिक शक्ति खर्च होती है, पेट की माँसपेशियां खिचने लगती है, पाचन रस ग्रंथियों से नही निकलता, शरीर में विटामिन, खनिज तत्व एवं हार्मोन्स की कमी हो जाती हैं। शरीर रोगी हो जाता है, मानसिक दुर्बलता आ जाती है, स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है, याददाश्त कमजोर हो जाती है, अतःवाणी का प्रभाव शरीर पर पड़ता है। हर प्राणी को अपना जीवन झूठा, बनावटी, जोर जोर से बोलने बाला ना बना कर शांत चित बनाना चाहिए ।

1,700 सरेंडर और 466 मौतेंः छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद का तांडव थमा...

सत्यप्रकाश दुबे

छत्तीसगढ़, जो अपनी समृद्ध खनिज संपदा और घने जंगलों के लिए जाना जाता है, लंबे समय से नक्सलवाद की चपेट में रहा है। बस्तर, बीजापुर, नारायणपुर, कांकेर और दंतेवाड़ा जैसे जिले लंबे समय से माओवादी गतिविधियों का केंद्र रहे हैं। नक्सलवाद ने राज्य की सामाजिक-आर्थिक प्रगति को बाधित किया है, ग्रामीण विकास योजनाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्टों पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। लेकिन दिसंबर 2023 से राज्य में नई सरकार के सत्ता में आने के बाद से नक्सलवाद के खिलाफ अभियान में जबरदस्त तेजी देखी जा रही है। विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने सत्ता संभालने के तुरंत बाद ही नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए ठोस रणनीतियाँ अपनाई। राज्य सरकार और सुरक्षा बलों की रिपोर्टों के अनुसार, दिसंबर 2023 से अब तक लगभग 1,700 नक्सलियों ने सरेंडर किया है, जबकि मुठभेड़ों में 466 नक्सली मारे जा चुके हैं। यह आंकड़े न केवल सुरक्षा बलों की कार्यक्षमता बल्कि सरकार की नीति और नक्सलियों को मुख्यधारा में लाने की रणनीति की सफलता को भी दशार्ते हैं। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद विरोधी अभियानों की गति पिछले दो वर्षों में अभूतपूर्व रही है। ह्यपुना मार्गमह्न नीति के तहत सरेंडर करने वाले नक्सलियों को पुनर्वास और आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। इस नीति से न केवल माओवादी संगठनों की रीढ़ कमजोर हो रही है, बल्कि कई प्रमुख कैडर मुख्यधारा में लौट रहे हैं। जुलाई 2025 तक पिछले 15 महीनों में 1,521 नक्सलियों ने सरेंडर किया था, और उसके बाद अगस्त-सितंबर में भी दर्जनों सरेंडर की घटनाएं दर्ज हुईं। उदाहरण के लिए, 27 अगस्त 2025 को बीजापुर जिले में 30 नक्सलियों ने हथियार डाले, जिससे जिले में जनवरी से अब तक सरेंडर की कुल संख्या 307 हो गई। सरेंडर की यह लहर माओवादी संगठनों के लिए गंभीर चुनौती साबित हो रही है। इसका मुख्य कारण सुरक्षा बलों की सक्रियता के साथ-साथ नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देना है। नक्सल प्रभावित जिलों में सड़कों, स्वास्थ्य केंद्रों, स्कूलों और जल आपूर्ति परियोजनाओं का तेजी से निर्माण होने से आम जनता का नक्सलियों से मोहभंग हुआ है। मुठभेड़ों में नक्सलियों की मौतों का आंकड़ा भी बेहद प्रभावशाली है। दिसंबर 2023 से 9 सितंबर 2025 तक 454 नक्सली मारे गए, और उसके बाद 12 सितंबर को गरियाबंद जिले में 10 नक्सलियों के मारे जाने से यह संख्या 464 हो गई। सबसे ताजा और महत्वपूर्ण मुठभेड़ 22 सितंबर 2025 को नारायणपुर जिले के अबुझमाड़ क्षेत्र में हुई, जहां सुरक्षा बलों ने दो शीर्ष नक्सली नेताओं झ्र कट्टा रामचंद्र रेड्डी (उर्फ राजू दादा) और कदरी सत्यनारायण रेड्डी (उर्फ कोसा दादा) झ्र को मार गिराया। इन दोनों नेताओं पर 40-40 लाख रुपये का इनाम था और वे सीपीआई (माओवादी) की सेंट्रल कमिटी के सदस्य थे। इस मुठभेड़ में एके-47, इंसास राइफल, बीजीएल लॉन्चर और विस्फोटक सामग्री बरामद हुई। यह घटना न केवल नक्सलियों के नेतृत्व पर बड़ा प्रहार थी, बल्कि यह सुरक्षा बलों की कार्यक्षमता और रणनीतिक दक्षता का भी प्रमाण है। इस मुठभेड़ के बाद 2025 में मारे गए नक्सलियों की संख्या 249 हो गई। वर्षवार ब्रेकडाउन पर नजर डालें तो 2024 में छत्तीसगढ़ में 219 नक्सली मारे गए, जो राज्य गठन के बाद का सर्वाधिक आंकड़ा है। 2025 में अब तक बस्तर संभाग में 212, जबकि अन्य क्षेत्रों में 29 से अधिक मौतें हुई हैं। प्रमुख मुठभेड़ों में 21 मार्च 2025 को बीजापुर और कांकेर में 30 नक्सली ढेर हुए, जबकि 21 मई को नारायणपुर में 27 नक्सलियों की मौत हुई, जिसमें टॉप लीडर बसवराजू शामिल था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस अभियान को लाल आतंक की रीढ़ तोड़ने वाला करार दिया है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के जरिए न केवल माओवादी संगठनों की गतिविधियों पर रोक लगी है, बल्कि यह नक्सल प्रभावित जिलों में विकास कार्यों को भी गति प्रदान कर रहा है। राज्य सरकार ने 30 नए फॉरवर्ड बेस स्थापित करने की योजना पर काम किया है, जिससे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास दोनों ही मजबूत होंगे। विशेषज्ञ मानते हैं कि सरेंडर और मुठभेड़ों की यह लहर नक्सलवाद को कमजोर कर रही है। यह सिर्फ एक सुरक्षा अभियान नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक सुधारों का मिश्रित प्रयास है, जो नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की जनता को मुख्यधारा में जोड़ रहा है। सरेंडर करने वाले नक्सलियों को पुनर्वास की सुविधा देना केवल सरकारी सहायता तक सीमित नहीं है। इनके लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वरोजगार और अन्य आर्थिक अवसर सुनिश्चित किए जा रहे हैं। इससे नक्सलियों को पुनः हिंसक गतिविधियों में शामिल होने से रोकने का प्रयास किया जा रहा है। बस्तर और अन्य नक्सल प्रभावित जिलों में सड़क, बिजली, पानी और स्कूल जैसे बुनियादी ढांचे के विकास ने स्थानीय जनता के जीवन स्तर को सुधारा है। इससे नक्सलियों के लिए समर्थन जुटाना कठिन हो गया है। विकास और सुरक्षा का यह मिश्रित मॉडल दुनिया भर के अन्य नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के लिए उदाहरण पेश करता है। सरेंडर की यह लहर सामाजिक स्तर पर भी बदलाव ला रही है। नक्सलियों का मुख्यधारा में लौटना गांवों में शांति स्थापित कर रहा है। इसके अलावा, सरेंडर करने वाले नक्सली अब स्थानीय विकास कार्यों में भी योगदान दे रहे हैं। इससे ग्रामीणों में यह संदेश गया है कि हिंसा छोड़ कर भी सम्मान और अवसर पाया जा सकता है। सरेंडर और मुठभेड़ों की यह सफलता माओवादी संगठन के लिए मानसिक और रणनीतिक झटका साबित हो रही है। शीर्ष नेतृत्व की मौतें और कैडरों का मुख्यधारा में लौटना संगठन की कार्यकुशलता और अनुशासन को कमजोर कर रहा है। छत्तीसगढ़ पुलिस और सीआरपीएफ ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में फॉरवर्ड बेस स्थापित कर उनकी निगरानी और सक्रियता बढ़ाई है। नक्सलियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है और स्थानीय खुफिया तंत्र को भी मजबूत किया गया है। मुठभेड़ों में सुरक्षा बलों की सफलता का श्रेय उनके प्रशिक्षण, रणनीतिक योजना और स्थानीय सहयोग को जाता है।

मुद्दाः शोधार्थियों को प्रोत्साहन की कमी

प्रमोद भार्गव

पक्षियों के पंख अपने आप में संपूर्ण रूप में विकसित होते हैं, लेकिन हवा के बिना कोई भी पक्षी उड़ान नहीं भर सकता। यही स्थिति भारत में नवाचारी प्रयोगधर्मियों के साथ रही है। उनमें कल्पनाशील असीम क्षमताएं हैं, लेकिन कल्पनाओं को आकार देने के लिए प्रोत्साहन एवं वातावरण नहीं मिल पाता है। हालांकि 11 साल से सत्तारूढ़ मोदी सरकार ने इस वातावरण के निर्माण में अकल्पनीय काम किया है, किंतु अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अनर्गल फैसलों के चलते जरूरी हो गया है कि हम अपने उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्यनरत विद्यार्थियों की मौलिक सोच को शोध की दिशा में प्रेरित करें।

हाल में ट्रंप ने नासा और नेशनल साइंस फाउंडेशन जैसे शोध विकास संस्थानों के बजट में 50 प्रतिशत से ज्यादा की कटौती कर दी है। एच-1बी वीजा की शुल्क में आवेदन के लिए एक लाख डॉलर यानी करीब 86 लाख रुपये के अतिरिक्त भुगतान करने की शर्त लगा दी है। इस किस्म के वीजा के सबसे ज्यादा लाभार्थी वे दक्ष युवा भारतीय हैं, जो अमेरिका की आईटी कंपनियों में नौकरी के इच्छुक रहते हैं। ट्रंप भविष्य में ऐसे और कानूनी उपाय कर सकते हैं, जिनसे युवा उद्यमियों को अवसर मिलने में कमी आए। अतएव भारत को ऐसे कल्पनाशील शोधार्थियों को बढ़ावा देना जरूरी है, जिनमें नवाचारी प्रतिभा है। हालांकि नासा और नेशनल फाउंडेशन के बजट में कटौती के बाद यूरोप ने 'चूज यूरोप फॉर साइंस' थीम पर मई-2025 में बैठक कर दुनिया के शोधार्थियों के लिए अपने संस्थानों के द्वार खोल दिए हैं। खंस और भारत ने बजट बढ़ा दिया है। चीन पूर्व से ही स्कूल स्तर पर छात्रों की मौलिक सोच एवं नूतन आविष्कार की संभावनाओं की पहचान कर छात्रों को अनुसंधान की दिशा में उन्मुक्त करने लग गया है। भारत ने नेशनल रिसर्च फाउंडेशन बना कर एक लाख करोड़ की धनराशि आवंटित की है जिससे शोध की सोच को आविष्कार के रूप में साकार किया जा सके।

दरअसल, हमारी अब तक दिक्कत यह रही है कि हम खुद न अपने आविष्कारकों को प्रोत्साहित नहीं करते हैं, और न ही उन्हें मान्यता देते हैं। इन प्रतिभाओं के साथ हमारा व्यवहार भी कमोबेश उपहासपूर्ण अभद्र रहता है। हालांकि अब निरंतर ऐसी प्रामाणिक सूचनाएं मीडिया में आ रही हैं, जिनसे निश्चित होता है कि प्राचीन भारत विज्ञान की दृष्टि से अत्यंत समृद्धशाली था। संस्कृत ग्रंथों से यही ज्ञान अंग्रेजी, फारसी और अरबी भाषाओं में अनूदित होकर पश्चिम पहुंचा और वहां के कल्पनाशील जिज्ञासुओं ने भारतीय सिद्धांतों को वैज्ञानिक रूप में ढाल कर अनेक आविष्कार व सिद्धांत गढ़ कर पेटेंट करा लिए। इनमें से ज्यादातर पश्चिमी वैज्ञानिक उच्च शिक्षित नहीं थे।

आविष्कारक शोधार्थी को जिज्ञासु एवं कल्पनाशील होना जरूरी है। कोई शोधार्थी कितना भी शिक्षित क्यों न हो, कल्पना बिना मौलिक या नूतन आविष्कार नहीं कर सकता। शिक्षा संस्थानों से विद्यार्थी जो शिक्षा ग्रहण करते हैं, उसकी एक सीमा होती है। वह उतना ही बताती-सिखाती है, जितना हो चुका है। आविष्कार कल्पना की वह श्रृंखला है, जो हो चुके से आगे की अर्थात कुछ नितांत नूतन करने की जिज्ञासा को आधार-तल देती है। जब लब्ध-प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की जीवन-गाथाओं को पढ़ते हैं, तो पता चलता है कि न तो वे उच्च शिक्षित थे, न ही वैज्ञानिक संस्थानों में काम करते थे और न ही उनके इंद-गिर्द विज्ञान-सम्मत परिवेश ही था। उन्हें प्रयोग करने के लिए प्रयोगशालाएं भी उपलब्ध नहीं थीं। गोया, हम कह सकते हैं कि मौलिक प्रतिभा जिज्ञासु के अवचेतन में कहीं छिपी होती है। इसे पहचान कर गुणीजन या शिक्षक प्रोत्साहित कर कल्पना को पंख देने का माहौल दें तो भारत की ग्रामीण धरती से अनेक वैज्ञानिक-आविष्कारक निकल सकते हैं। इस दिशा में एक अच्छी पहल आईआईटी, मद्रास में 'सोच का पाठ' पढ़ाने के पाठ्यक्रम शुरू करने के साथ की है। यदि शिक्षक विद्यार्थी के अवचेतन में पैठ बनाए बैठे इस कल्पनाशील सोच को पहचानने में सफल होते हैंङ्क तो इस पाठ्यक्रम की सार्थकता निकट भविष्य में सिद्ध हो जाएगी।

दुनिया में वैज्ञानिक और अभियंता पैदा करने की दृष्टि से भारत का तीसरा स्थान है। भारतीय शोधार्थियों का वैश्विक प्रतिशत 2 हैं, चर्चित शोध-पत्रों की प्रस्तुति में हमारा योगदान 2.4 प्रतिशत है। प्रसन्नता की बात है कि 29 प्रौद्योगिकी संपन्न देशों में भारत का स्थान पांचवा है। भारत ने उस प्रत्येक परिस्थिति को चुनौती

और अवसर माना जो दूसरे देशों ने हमारे सामने पेश की। रूस ने भारत को अंतरिक्ष मिसाइल प्रक्षेपण से जुड़े क्रायोजनिक इंजन की तकनीक देने से मना कर दिया था। तब एपीजे अब्दुल कलाम ने इसे देशज संसाधनों से विकसित किया और आज हम अंतरिक्ष में प्रमुख वैश्विक शक्ति हैं। इसी तरह 1987 में अमेरिका ने हमें सुपर कंप्यूटर देने से मना कर दिया था। तब भौतिक शास्त्री विजय पांडुरंग भटकर ने इस स्थिति को चुनौती माना और भारत का पहला सुपर कंप्यूटर परम स्वयं की मेधा से विकसित किया। अतएव ट्रंप के अवरोधों को हमें अवसर के रूप में देखने की जरूरत है।

(लेख में विचार निजी हैं)

रन फॉर यूनिटी के माध्यम से मनाई गई सरदार पटेल की 150वीं जयंती वीर लोरिक स्टेडियम बलिया में गूंजा ''एक भारत, श्रेष्ठ भारत'' का संदेश

बलिया। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर शुक्रवार को वीर लोरिक स्टेडियम, बलिया में "रन फॉर यूनिटी" का भव्य आयोजन किया गया। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया। कार्यक्रम

का उद्देश्य देश के महान एकीकरणकर्ता सरदार पटेल के अद्वितीय योगदान को नमन करते हुए युवाओं में राष्ट्रीय एकता, अखंडता और देशभक्ति की भावना को प्रबल बनाना रहा। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने सरदार पटेल के राष्ट्र निर्माण में योगदान को स्मरण करते हुए युवाओं से उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। इस आयोजन में कुल 70 बालक एवं 20 बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। लॉटरी प्रणाली द्वारा प्रतिभागियों की पर्ची निकाली गई और परिणाम घोषित किए गए। बालक वर्ग में प्रथम स्थान आदित्य कुमार,

द्वितीय स्थान रतन बाबू एवं तृतीय स्थान आयने यादव तथा बालिका वर्ग में प्रथम स्थान सोनाली सिंह, द्वितीय स्थान काजल कुमारी एवं तृतीय स्थान पूनम यादव शामिल रही। विजेता खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि श्री सहजानंद राय, क्षेत्रीय अध्यक्ष (गोरखपुर) तथा विशिष्ट अतिथि श्री संजय मिश्रा, जिला अध्यक्ष (भाजपा) द्वारा पुरस्कृत किया गया। मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जनपद का नाम रोशन करने का आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी श्री ओजस्वी राज, सिटी मजिस्ट्रेट श्री आशाराम वर्मा, उ0प्र0 महिला आयोग की सदस्य सुश्री सुनीता श्रीवास्तव, नगर अध्यक्ष भाजपा श्रीमती सोनी तिवारी, श्री एच. सिंह, श्री धर्मेन्द्र सिंह, पंकज सिंह, श्री दिनेश प्रसाद, धनेश सिंह यादव, तथा स्टेडियम प्रशिक्षकगण संचीता नन्द राय, अजय राज सिंह, मोहम्मद ग्यासुद्दीन, रोहित भारद्वाज, धर्मेन्द्र पाण्डेय, कविन्द्र सिंह, प्रीति गुप्ता, राजेश आदि की गरिमामयी उपस्थिति रही।

रामलीला मैदान में गूंजेगा बलिया महोत्सव, तैयारियों की समीक्षा बैठक में दिए गए दिशा–निर्देश

01 से 03 नवम्बर तक मनाया जाएगा बलिया महोत्सव, सीडीओ ने व्यवस्थाओं को लेकर दिए सख्त निर्देश

बलिया महोत्सव की तैयारियों का खाका तैयार, हर दिन होगा सांस्कृतिक कार्यक्रम

बलिया। जिले के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आगामी 01 से 03 नवम्बर तक रामलीला मैदान में आयोजित होने वाले बलिया महोत्सव की तैयारियों को लेकर गुरुवार को विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को महोत्सव से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि महोत्सव के दौरान स्थल पर हैंगर टेंट, सांस्कृतिक मंच, साफ–सफाई, प्रकाश एवं पेयजल व्यवस्था सहित अन्य सभी सुविधाओं की अग्रिम तैयारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की कमी न रह जाए और सभी विभाग अपने–अपने

दायित्वों को समयबद्ध रूप से पूरा करें। उन्होंने बताया कि बलिया महोत्सव तीन दिनों तक चलेगा, जिसमें प्रतिदिन शाम 07 बजे से रात 11 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। हर दिन अलग– अलग कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। इसके साथ ही मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिए गए कि कार्यक्रम स्थल पर एम्बुलेंस की व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाए, ताकि किसी आपात स्थिति में तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जा सके। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक कृपाशंकर, सिटी मजिस्ट्रेट आसाराम शर्मा, वरिष्ठ कोषाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बलिया में वरिष्ठजनों और दिव्यांगों को मिला सहारा, 7114 सहायक उपकरण वितरित

बलिया। भारत सरकार की एडीप एवं राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत गुरुवार को रामपुर हाजिया, बलिया में एक विशाल सामाजिक अधिकारिता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय मंत्री श्री

दानिश आजाद अंसारी एवं श्री छठ्ठू राम ने संयुक्त रूप से दिव्यांगजनों और वृद्धजनों को निःशुल्क कृत्रिम एवं सहायक उपकरणों का वितरण किया। इस कार्यक्रम के दौरान जिले के 1400 पूर्व चिन्हित लाभार्थियों को कुल 7114 उपकरण प्रदान किए गए, जिनकी कुल लागत लगभग ध्1 करोड़ 20 लाख 83 हजार रुपये रही। यह वितरण जिला प्रशासन और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। योजना का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाना, उन्हें दैनिक जीवन में सुविधा प्रदान करना और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना है।

वितरित सहायक उपकरणों का विवरणः सिलिकॉन फोम तकिया 544, स्पाइनल स्पोर्ट 23, नी ब्रेस 2450, सर्वाइकल कॉलर 288, लम्बोसैक्रल बेल्ट 1217, छड़ी 389, समायोजक छड़ी 404, छड़ी (सीट सहित) 09, व्हील चेयर (कमोड सहित) 42, चेयरध्स्टूल (कमोड सहित) 175, फोल्डिंग व्हील चेयर 721, फोल्डिंग वॉकर 31, ट्राईपोड 30, टेट्रापोड 07, बी.टी. ई. (कान की मशीन) 70। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने बताया कि योजना के तहत ऐसे वरिष्ठ नागरिक और दिव्यांगजन, जो गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं, उन्हें उनकी शारीरिक असुविधाओं के अनुसार उपयुक्त सहायक उपकरण निःशुल्क प्रदान किए जा रहे हैं। इससे उन्हें स्वावलंबी और सम्मानजनक जीवन जीने में सहायता मिलेगी। मुख्य अतिथि श्री दानिश आजाद अंसारी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री दोनों का लक्ष्य है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचे। इस योजना के माध्यम से बुजुर्गों और दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाया जा रहा है।

बलिया–लापता अंकुर कुमार शर्मा पुत्र–शंभू कुमार शर्मा की तलाश

बलिया–प्राप्त जानकारी के अनुसार अंकुर कुमार शर्मा पुत्र–शंभू कुमार शर्मा निवासी– ग्राम–मिश्रौली पो०छाता जिला बलिया का रहने वाला जिसका उम्र लगभग–13–साल है यह–1–अगस्त–2025– दिन शुक्रवार से करीब–5रू00–(पांच)बजे से बलिया रेलवे स्टेशन से लापता है परिवारजन के काफी खोज–बीन के बाद कहीं पता नहीं चला स्थानीय– तो यह थाना पर तहरीर दिया गया है प्रशासन द्वारा खोज जारी है परिवार के लोगों ने बताया कि लड़के को कभी–कभी मिर्गी का दौरा भी आता है और लड़का बैंगनी कलर का टी–शर्ट और काले रंग का जींस पहना हुआ है लड़के का परिवार का संपर्क–सूत्र मो०नं०–07393933334–है पारिवारी जन ने बताया कि अगर लड़के का किसी भी प्रकार का पता चलता है तो जानकारी देने वालों को उचीत इनाम दिया जाएगा।

जनता का सच–समाचार (यू0पी0 बलिया रिपोर्ट–राजेश 'महाजन' मंडल–प्रभारी,आजमगढ़–मंडल (बलिया,मऊ,आजमगढ़) मो.नं.–08115659303

वीर लोरिक स्टेडियम में होगा पटेल जयंती का मुख्य कार्यक्रम, सीडीओ ने दिए सख्त निर्देश

सीडीओ ने सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण करने के दिए निर्देश, लापरवाही पर चेतावनी

शहीद पार्क से वीर लोरिक स्टेडियम तक दौड़ प्रतियोगिता, विजेताओं को किया जाएगा सम्मानित

बलिया। सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर 31 अक्टूबर को जिले में विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसको लेकर गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज ने संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि सुबह 08रू30 बजे से दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। यह प्रतियोगिता शहीद पार्क चौक से प्रारंभ होकर कासिम बाजार, फ्लाई ओवर, टीडी कॉलेज चौराहा, कुंवर सिंह चौराहा, पुलिस लाइन होते हुए वीर लोरिक स्पोर्ट्स स्टेडियम पर समाप्त होगी। स्टेडियम में ही सरदार पटेल जी के चित्र पर माल्यार्पण किया जाएगा। दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले बालक–बालिकाओं को प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कृत किया जाएगा।

मुख्य विकास अधिकारी ने जिला क्रीड़ाधिकारी जवाहर लाल यादव को निर्देशित किया कि स्टेडियम में लाइट, साउंड, कुर्सी, सोफा, बैनर आदि की संपूर्ण व्यवस्था की जाए तथा जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित कर कार्यक्रम के दौरान राष्ट्र की एकता की शपथ दिलाई जाए। साथ ही डीपीआरओ को कार्यक्रम स्थल एवं मार्ग पर साफ सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, वहीं जिला पूर्ति अधिकारी को जलपान आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। इसके साथ ही सीएमओ को निर्देशित किया गया कि सुबह 10रू30 बजे जिला अस्पताल में जिलाधिकारी द्वारा रोगियों को फल वितरण कराया जाएगा, जिसकी सभी तैयारियां समय से पूरी कर ली जाएं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को आदेश दिया गया कि सभी प्राथमिक विद्यालयों में प्रभात फेरी तथा माध्यमिक विद्यालयों के छात्र–छात्राओं द्वारा रैली निकाली जाए। उन्होंने सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाएं आज ही पूर्ण कर ली जाएं, किसी भी प्रकार की लापरवाही पर संबंधित अधिकारी स्वयं उत्तरदायी होंगे। बैठक में सिटी मजिस्ट्रेट आसाराम शर्मा, डीडीओ आनंद कुमार, क्रीड़ाधिकारी जवाहर लाल यादव, डीपीआरओ, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मनीष सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

छह निरीक्षक व 79 उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र बदले

बहराइच। जिले में कानून–व्यवस्था को और चुस्त–दुरुस्त बनाने के लिए पुलिस अधीक्षक आरएन सिंह ने बड़े पैमाने पर निरीक्षक व उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। छह निरीक्षकों और 79 उपनिरीक्षकों को तत्काल प्रभाव से स्थानांतरित कर दिया गया है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि निरीक्षक शमशेर बहादुर सिंह को पुलिस लाइन से हुजूरपुर भेजा गया है। निरीक्षक हुजूरपुर प्रदीप कुमार कुमार सिंह को कोतवाली नगर, महिला थानाध्यक्ष मंजू यादव को एंटी रोमियो भेजा गया है, जबकि एसआई विनीता रावत को सीसीटीएनएस से महिला थाने का अध्यक्ष बनाया गया। नानपारा थाने की अध्यक्ष कल्पना सिंह को वरिष्ठ उप निरीक्षक एएचटीयू और खैरीघाट की उपनिरीक्षक अपर्णा देवी को महिला थाना नानपारा का प्रभारी बनाया गया है। इसके अलावा 79 उपनिरीक्षकों के तबादले भी किए गए हैं। इनमें पुलिस लाइन में तैनात उपनिरीक्षकों को विभिन्न थानों, चौकियों, साइबर क्राइम सेल, यातायात शाखा, महिला थाना, यूपी–112 और न्यायालय सुरक्षा शाखा में भेजा गया है।

बराम्दे में सो रही दो साल की बच्ची को उठा ले गया भेड़िया, गांव में मचा हड़कंप, पहुंची वन विभाग की टीम

बहराइच। क्षेत्र में लगभग 20 दिन बाद भेड़िया की दहशत फैल गई है। सरयू का कछार चीख–पुकार से गूंज उठा है। रविवार की सुबह लगभग 5 बजे फखरपुर इलाके के ग्राम पंचायत कंदौली में बरामदे में सो रही 2 वर्षीय बच्ची को भेड़िया उठा ले गया। ग्रामीणों की काफी खोजबीन के बाद भी खबर लिखे जाने तक बच्ची का कहीं सुराग नहीं लगा सका है। बच्ची की खोजबीन के लिए वन विभाग व पुलिस विभाग व दर्जनों ग्रामीण बच्चों की तलाश में जुटे हुए हैं।

जानकारी के मुताबिक फखरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कंदौली निवासी राकेश यादव की 2 वर्षीय पुत्री शानवी घर के बरामदे में सो रही थी और परिजन सुबह पशुओं को चारा दे रहे थे इसी दौरान बरामदे में सो रही शानवी को भेड़िया जबड़े में दबोच कर भाग गया। बच्ची की चीख–पुकार सुनकर परिजन दौड़े। भेड़िए का पीछा किया तो अंधेरे में भेड़िया घने जंगलों में गायब हो गया। सुबह होने पर ग्रामीणों ने घर से कुछ दूर पर बच्ची के शरीर के शरीर मांस के टुकड़े व खून के धब्बे के घास पर पाए गए हैं। उधर सूचना पाकर वन विभाग व थाना कैसरगंज की पुलिस टीम मौके पर पहुंची है।

वन विभाग की ओर से सघन सर्च अभियान चलाया गया। तलाश जारी है, लेकिन बच्ची को बरामद नहीं किया जा सका है। डीएफओ राम सिंह यादव ने बताया कि ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची है। ड्रोन के जरिए हमलावर वन्य जीव की तलाश की जा रही है।

छात्र–छात्राओं ने सीखे समाजसेवा, अनुशासन व नेतृत्व के गुर

मिहींपुरवा। सर्वोदय इंटर कॉलेज में तीन दिवसीय स्काउट गाइड प्रशिक्षण का शुक्रवार को सफलतापूर्वक समापन हो गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसकी अध्यक्षता नवयुग इंटर कॉलेज के प्राचार्य सुभाष चंद्र वर्मा ने की। इसमें छात्र–छात्राओं ने समाजसेवा, अनुशासन व नेतृत्व के गुर सीखे।

मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व प्रबंधक श्रवण मदेशिया मौजूद रहे, जबकि कार्यक्रम को एसपीवी इंटर कॉलेज के प्रबंधक अनिल कुमार कुशवाहा, नवयुग इंटर कॉलेज के वरिष्ठ शिक्षक नाथूराम सोनी और शिव शंकर यादव ने संबोधित करते हुए स्काउट गाइड के महत्व पर प्रकाश डाला। जिला संगठन आयुक्त कल्लन इदरीशी, ट्रेनिंग काउंसिलर संतोष कुमार यादव और जिला संगठन आयुक्त कायमा इस्लाम के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रशिक्षण में लगभग 300 छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। विद्यालय के स्काउट शिक्षक कृष्ण कुमार के सहयोग से बच्चों को स्काउट गाइड की मूल बातें, अनुशासन, समाजसेवा और टीम भावना का प्रशिक्षण दिया गया। स्काउट गाइड प्रशिक्षण में भाग लेने वाले विद्यार्थियों में उत्साह देखने को मिला। स्काउट के माध्यम से जिंदगी में आने वाली बाधाओं से निपटने का भी तरीका सीखा। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रशिक्षकों और विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

पहले दिन हुई 237 क्विंटल धान की खरीद

बहराइच। जिले में शनिवार को धान क्रय केंद्रों का शुभारंभ किसानों के सम्मान के साथ हुआ। गल्ला मंडी स्थित खाद्य एवं रसद विभाग के क्रय केंद्र पर पहले दिन किसान राम दयाल शुक्ला, कुंवर बहादुर पांडेय और रामधीरज का माला पहनाकर सम्मान हुआ। इन किसानों से कुल 155 क्विंटल धान की खरीद की गई। मिहींपुरवा क्रय केंद्र पर दो किसानों के 82 क्विंटल धान की तौल कराई गई।

जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी रूपेश सिंह ने बताया कि इस सत्र में धान खरीद का लक्ष्य दो लाख पांच हजार मीट्रिक टन तय किया गया है। जिले में कुल 131 क्रय केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिनमें केवल बहराइच गल्ला मंडी में सात केंद्र बनाए गए हैं।

पहले ही दिन किसानों की अच्छी भागीदारी देखने को मिली है और आने वाले दिनों में खरीद की रफ्तार और बढ़ने की उम्मीद है। प्रशासन ने किसानों को समय पर भुगतान और पारदर्शी खरीद प्रक्रिया का भरोसा दिया है।

सऊदी भेजने के नाम पर 1.70 लाख ठगे

जरवलरोड। सऊदी अरब में नौकरी दिलाने के नाम पर नकली वीजा–पासपोर्ट और टिकट दिखाकर 1.70 लाख रुपये ठगने का मामला सामने आया है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश के बाद पुलिस ने लखनऊ निवासी दंपती के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जरवल नगर पंचायत के मोहल्ला सराय निवासी पीड़ित इरफान ने बताया कि उनके रिश्तेदार मो. शफीक के माध्यम से लखनऊ के आयाज खान व उनकी पत्नी रूबीना से बात हुई थी। आयाज और रूबीना ने उनके पुत्र मो. अमन व मो. शफीक के लिए वीजा, पासपोर्ट और टिकट बनवाने का आश्वासन दिया था। इसके लिए शुल्क लगभग दो लाख रुपये बताया गया। कई बार में पति–पत्नी ने 1.70 लाख रुपये वसूले, लेकिन भेजे गए वीजा–पासपोर्ट और टिकट नकली निकले।

पैसा वापस मांगने पर आरोपियों ने एक सप्ताह का समय मांगा था, लेकिन बाद वे पैसे लौटाने में टाल–मटोल करने लगे। पीड़ित इरफान ने बताया कि बीते माह जरवल कस्बे के आसिफ होटल में वह दंपती से मिले और उनसे पैसे की मांग की। दंपती ने गाली–गलौज की और जान से मारने की धमकी भी दी। साथ ही यह भी कहा कि पैसा वापस नहीं करेंगे।

इस पर पीड़ितों ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के न्यायालय पर प्रार्थना पत्र दिया। न्यायालय ने सुनवाई करते हुए जरवलरोड पुलिस को केस दर्ज कर कार्रवाई के निर्देश दिए। प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश पर लखनऊ के आयाज खान व उनकी पत्नी रूबीना के खिलाफ धोखाधड़ी, धमकी देने और अपशब्दों के प्रयोग के मामले में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। आरोपियों के बैंक व मोबाइल रिकॉर्ड, वीजा–डाक्यूमेंट्स की सत्यता तथा आरोपियों के ठिकानों की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है।

ग्रामीणों की 183 में से 18 शिकायतों का ही निस्तारण

बहराइच। जन शिकायतों के त्वरित समाधान के उद्देश्य से शनिवार को नानपारा, बहराइच सदर, मिहींपुरवा (मोतीपुर), पयागपुर, कैसरगंज और महसी में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। कुल 183 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 18 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।

तहसील नानपारा में आयोजित समाधान दिवस की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह और मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चंद्र ने की। उनके साथ उप जिलाधिकारी मोनालिसा जौहरी और अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। यहां 61 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से तीन शिकायतों का तत्काल निस्तारण किया गया।

उधर तहसील सदर बहराइच में 18 में से दो शिकायतों का निस्तारण हुआ, जबकि मिहींपुरवा (मोतीपुर) में 19 में से दो शिकायतें निपटीं, पयागपुर में 63 फरियादी पहुंचे, लेकिन पांच फरियादियों की समस्या का ही समाधान हो सका। कैसरगंज में 22 में से पांच और महसी में पांच शिकायतों में से एक का ही निपटारा किया जा सका।

ग्राम समाज की जमीन पर कब्जे का आरोप

प्रेमनगर तुलसीपुर निवासी बराती लाल ने बताया कि उनके गांव में ग्राम समाज की जमीन पर बुधराम जबरन कब्जा करने की कोशिश कर रहा है। पेड़ की डाल काटकर रास्ता भी अवरुद्ध कर दिया गया है, जिससे ग्रामीण कूड़ा भी नहीं फेंक पा रहे हैं। विरोध करने पर मारपीट की धमकी दी जा रही है।

बेटी लापता, पुलिस पर लापरवाही का आरोपः एक गांव निवासी महिला ने आरोप लगाया कि उनकी किशोर वय पुत्री को गांव का ही वजीत एक माह पहले बहला–फुसलाकर कहीं ले गया, लेकिन पुलिस कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रही है। परिजनों को लगातार जान से मारने की धमकी मिल रही है, जबकि मामला खैरीघाट थाने में दर्ज है।

राष्ट्र की अखंडता के साथ कोई खिलवाड़ स्वीकार्य नहीं- मुख्यमंत्री

सरदार पटेल के आदर्शों पर चलना ही सच्ची श्रद्धांजलि

रन फॉर यूनिटी देश की एकता और अखंडता के लिए -भूपेंद्र चौधरी

लखनऊ । भारतीय जनता पार्टी ने शुक्रवार को भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर पूरे प्रदेश में 'रन फॉर यूनिटी' एकता दौड़ का भव्य आयोजन किया। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि यह दौड़ देश की एकता और अखंडता के लिए है। भारत की एकता और अखंडता के शिल्पकारए सुप्रसिद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं भारत रत्न, लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर एक भारत.श्रेष्ठ भारत और आत्मनिर्भर भारत को समर्पित रन फॉर यूनिटी उस विचार का साक्षात प्रमाण है, जिसने पटेल जी के नेतृत्व में बिखरे भू.भागों को एक सूत्र में पिरोया और अखंड भारत का स्वरूप रचा।

लखनऊ,। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ में 'भारत रत्न' सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित 'रन फॉर यूनिटी' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और कहा कि भारत की अखंडता और एकता के लिए जिन्होंने अपना जीवन समर्पित किया, उन लौह पुरुष सरदार पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब हम उनके आदर्शों को अपने आचरण में उतारें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन, समर्पण और त्याग आज भी हर भारतीय के लिए प्रेरणास्रोत है। आइए, इस राष्ट्रीय एकता दिवस पर हम संकल्प लें कि जाति, भाषा, धर्म और क्षेत्र से ऊपर उठकर भारत की एकता और अखंडता को सुदृढ़ बनाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2014 से ही देश में उन महान सपूतों को सम्मान देने की परंपरा शुरू हुई है, जिन्होंने भारत को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया। उन्होंने बताया कि आज पूरे देश में 600 से अधिक स्थानों पर 'रन फॉर यूनिटी' के माध्यम से युवाओं में राष्ट्रभक्ति और एकता की भावना को प्रबल करने का यह अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी भारतीय परंपरा में कहा गया है किशिवो भूत्वा शिवं यजेत, अर्थात जिसे हम पूजते हैं, उसके अनुरूप हमें स्वयं को ढालना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल भाषणों में नहीं, बल्कि व्यवहार में भी एकता और अखंडता के मूल्यों को अपनाना ही सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केवड़िया (गुजरात) में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के रूप में सरदार पटेल की स्मृति को जीवंत बनाया गया है, जो आज राष्ट्रीय प्रेरणास्थली बन चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल ने स्वतंत्रता के बाद ब्रिटिश साजिशों को नाकाम करते हुए 563 रियासतों को भारत गणराज्य में शामिल कर अखंड भारत का निर्माण किया। उन्होंने कहा कि जब हैदराबाद और जूनागढ़ की रियासतों ने भारत में विलय से इनकार किया, तब लौह पुरुष ने पहले संवाद का रास्ता अपनाया, लेकिन जब राष्ट्र की अखंडता पर संकट आया, तब उन्होंने कठोर निर्णय लेकर भारत की एकता को सुरक्षित किया। उन्होंने स्पष्ट कहा था कि भारत की अखंडता के साथ कोई खिलवाड़ स्वीकार्य नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाकर अखंड भारत के उस संकल्प को साकार किया, जो सरदार पटेल ने देखा था। यह उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि हैइस अवसर पर उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल, राज्यसभा सांसद बृजलाल एवं विधायक गण उपस्थित रहे।

भदंत ज्ञानेश्वर का निधन मायावती ने जताया दुख

लखनऊ। कुशीनगर से दुखद समाचार है कि बौद्ध भिक्षु संघ के अध्यक्ष भदंत ज्ञानेश्वर का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वे वर्मा देश (म्यांमार) के मूल निवासी थे और कई वर्षों से कुशीनगर में रहकर बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार में समर्पित थे। बौद्ध भिक्षु के निधन पर उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री बसपा सुप्रीमो मायावती ने शोक प्रकट किया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा परमपूज्य बोधिसत्व बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के धम्मदीक्षा गुरु पूज्य भदन्त चन्द्रमणि महास्थविर के सुयोग्य उत्तराधिकारी पूज्य भदन्त ज्ञानेश्वर महास्थवीर जी, अध्यक्ष, कुशीनगर भिक्खु संघ का लगभग 90 वर्ष की आयु में आज देहावसान हो गया है। देश-विदेश में फैले उनके अनुयायियों में अपार शोक एवं दुःख व्याप्त है। भदन्त ज्ञानेश्वर जी का देहावसान ना केवल बौद्ध जगत के लिए बल्कि मानव समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। भदन्त ज्ञानेश्वर महास्थवीर जी का सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक तथा सांकृतिक क्षेत्र में उनका रहा योगदान अनुकरणीय है। मैं अपनी व पार्टी की तरफसे उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। आप को बता दें कि भदंत ज्ञानेश्वर ने कुशीनगर में प्रसिद्ध वर्मीज बौद्ध पैगोडा का निर्माण करवाया था, जो आज बौद्ध श्रद्धालुओं के प्रमुख तीर्थ स्थलों में गिना जाता है। उन्होंने बौद्ध धर्म की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने में अपना जीवन समर्पित किया। भदंत ज्ञानेश्वर बौद्ध संस्थान के अध्यक्ष भी रहे और उनके नेतृत्व में संस्था ने कई सामाजिक और धार्मिक कार्य किए।

चुनाव में राहुल गांधी की इंट्री, बीजेपी की जीत की गारंटी- योगी

सिवान में गरजे सीएम योगी, कहा- चंद्रगुप्त और चाणक्य के समय जैसा वैभव वापस लाएंगे, बिहार को फिर से स्वर्णयुग की ओर ले जाएंगे

सिवान/वैशाली/भोजपुर, । बिहार विधानसभा चुनाव में बीजेपी व एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ताबड़तोड़ तीन रैली व जनसभा ने विपक्ष को सकते में डाल दिया। भारी बारिश के बीच हजारों की भीड़ 'जय श्रीराम' और 'मोदी-योगी जिंदाबाद' के नारों से गूंज उठी। मुख्यमंत्री ने एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि बारिश, कीचड़ और तूफान के बावजूद जनता का जो उत्साह है, वही एनडीए की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने महागठबंधन पर तंज कसते हुए कहा कि बिहार चुनाव में राहुल गांधी की इंट्री हो चुकी है, यही बीजेपी और एनडीए प्रत्याशियों की जीत की गारंटी है। सीएम योगी ने पहली रैली सिवान में एनडीए प्रत्याशी मंगल पांडेय, दरौंदा से कर्णजीत सिंह और बड़हरिया से इंद्रदेव सिंह पटेल के समर्थन में की। वहीं दूसरी जनसभा में सीएम योगी ने वैशाली की लालगंज विधानसभा से बीजेपी प्रत्याशी संजय कुमार सिंह के समर्थन में बोलते हुए विपक्ष पर तीखा प्रहार किया। भोजपुर के अगिआंव विधान सभा क्षेत्र में एनडीए प्रत्याशी महेश पासवान के पक्ष में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने विरोधी दलों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कम्युनिस्टों पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि भारत ही नहीं दुनिया से कम्युनिस्टों का पत्ता साफ हो गया है।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हम परसों रघुनाथपुर में आया था, क्योंकि एक खानदानी माफिया वहां पर फिर से कब्जा करना चाहता है। यूपी में हमने बुलडोजर से रौंद दिए कर ऐसे माफियाओं का कचूमर निकाल करके यूपी की धरती से जहन्नुम के रास्ते खोल दिये हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारी सीता मइया की धरती पर कोई मारीच और सुबाहू फिर से सिर न उठा सकेगा। उन्होंने कहा कि रघुनाथपुर की सभा में भारी बारिश के बावजूद युवाओं, माताओं के उत्साह को देखकर लगा कि सिवान में बड़ा सैलाब आने वाला है। योगी ने कहा कि बिहार के नौजवान देश और दुनिया में जहां कहीं गया है उसकी बुद्धी और मेधा का लोहा सबने माना है। अब समय आ गया है, पिछले 20 साल में नितीश बाबू के नेतृत्व में सुशासन की जो नींव मजबूत हुई है। उसपर बिहार की मेधा के बल पर सुदृढ़ भवन का निर्माण करना है।

धर्म और जाति के नाम पर देश को बांटना बंद करें अखिलेश-बृजेश पाठक

लखनऊ, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर सपा मुखिया अखिलेश यादव के बयान के बाद उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने जोरदार पलटवार किया। उन्होंने कहा कि चैट जीपीटी से राजनीति नहीं हो सकती। राजनीति के लिए अध्ययन और समझ जरूरी है। बृजेश पाठक ने कहा कि समाजवादी पार्टी का पढ़ाई-लिखाई से कोई लेना-देना नहीं है। अखिलेश यादव हमेशा कट-पेस्ट की राजनीति करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लोग अच्छी तरह जानते हैं कि धर्म और जाति के नाम पर देश को बांटने की राजनीति अब स्वीकार नहीं की जाएगी। डिप्टी सीएम ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में बेटियां और महिलाएं सुरक्षित हैं, यह केवल योगी आदित्यनाथ सरकार की देन है। पूरे देश में उत्तर प्रदेश की बेहतर कानून-व्यवस्था की चर्चा हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा शासनकाल में प्रदेश की राजनीति का इस्लामीकरण किया गया था, लेकिन अब जनता सब कुछ जान चुकी है। बृजेश पाठक ने कहा कि अखिलेश यादव का एसआईआर का विरोध करना यह दर्शाता है कि सपा नहीं चाहती कि मतदाता सूची पारदर्शी बने। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी घुसपैठियों के वोटों के सहारे चुनाव जीतना चाहती है ।उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग ने यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं कि केवल वास्तविक मतदाता ही मतदान करें, जबकि सपा और कांग्रेस ऐसे लोगों का वोट चाहते हैं, जिन्हें मतदान का अधिकार नहीं है ।उन्होंने अखिलेश यादव से सवाल किया कि पीएफआई और सिमी जैसे संगठन को लेकर आपका क्या स्टैंड है? कभी उनको बंद करने पर आपने नहीं बोला। केवल वोट बैंक की राजनीति करते हैं। समय आने पर जनता जरूर इसका हिसाब चुकता करेगी।

पूर्वी उत्तर प्रदेश में पहली नवंबर से होगी धान खरीद

लखनऊ, खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत पहली नवंबर से पूर्वी उत्तर प्रदेश में धान खरीद शुरू होगी, 28 फरवरी 2026 तक चलेगी। इस अवधि में लखनऊ संभाग के उन्नाव, रायबरेली और लखनऊ में भी धान खरीद होगी। वहीं पहली अक्टूबर से पश्चिमी उत्तर प्रदेश और लखनऊ संभाग के हरदोई, लखीमपुर खीरी, सीतापुर जनपद में धान खरीद चल रही है। डबल इंजन सरकार ने इस वर्ष धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि भी की है। धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य (कॉमन)-2369 और (ग्रेड ए) का 2389 रुपये प्रति कुंतल तय किया गया है। वहीं योगी सरकार की नीतियों पर समर्थन जताते हुए दो महीने में 2.17 लाख से अधिक किसानों ने बिक्री के लिए पंजीकरण भी करा लिया है।पूर्वी उत्तर प्रदेश के संभागों में पहली नवम्बर से धान खरीद शुरू होगी। यह खरीद पूर्वी उत्तर प्रदेश के चित्रकूट, कानपुर, अयोध्या, गोरखपुर, देवीपाटन, बस्ती, आजमगढ़, वाराणसी, मीरजापुर व प्रयागराज संभाग में होगी। इसके साथ ही लखनऊ संभाग के लखनऊ, रायबरेली व उन्नाव में भी पहली नवंबर से खरीद होगी, जो 28 फरवरी 2026 तक चलेगी।

निजीकरण की मुहिम से बिजली कर्मियों और अभियंताओं में उबाल

किसी भी परिस्थिति में निजीकरण न होने देने का लिया संकल्प

लखनऊ। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने ऐलान किया है कि 10 अक्टूबर को ग्रुप ऑफमिनिस्टर्स की मीटिंग में लिये गये निर्णय के अनुसार केंद्र से मिलने वाली वित्तीय सहायता के नाम पर उप्र सहित पूरे देश के विद्युत वितरण निगमों को निजी घरानों को सौंपने की कोशिश के विरोध में उप्र के बिजली कर्मी और इंजीनियर देशभर के बिजली कर्मचारियों के साथ मिलकर राष्ट्रव्यापी आंदोलन करेंगे। संघर्ष समिति के आह्वान पर आज सरदार वल्लभभाई पटेल की जन्म जयंती पर प्रदेश के सभी जनपदों में बिजली कर्मियों ने सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए संकल्प लिया कि उत्तर प्रदेश में पावर सेक्टर का निजीकरण किसी भी परिस्थिति में नहीं होने देंगे और इसके लिए वे कोई भी बलिदान करने के लिए तैयार है। राजधानी लखनऊ में बिजली कर्मियों ने जीपीओ पार्क स्थित सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की, और निजीकरण के विरोध में संघर्ष तब तक जारी रखने का संकल्प लिया जब तक निजीकरण का निर्णय वापस नहीं लिया जाता। संघर्ष समिति के संयोजक शैलेन्द्र दुबे ने कहा कि बिजली संविधान की आठवीं अनुसूची में है जो समवर्ती सूची है जिसका तात्पर्य होता है कि बिजली के मामले में केंद्र और राज्य सरकार के बराबर के अधिकार है। ऐसे में ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स की मीटिंग में सारे देश पर विद्युत वितरण निगमों के निजीकरण का फैसला कैसे थोपा जा सकता है। उन्होंने कहा कि 10 अक्टूबर को हुई ग्रुप आफ मिनिस्टर्स की मीटिंग में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और राजस्थान के विद्युत मंत्री सम्मिलित थे। इनके बीच यह सहमति बनी कि विद्युत वितरण निगमों को केंद्र से मिलने वाली वित्तीय सहायता के लिए तीन विकल्प दिए जाये। जिसमें पहला विकल्प विद्युत वितरण निगमों को 51फीसदी इक्विटी बेचकर निजीकरण करने का, दूसरा विकल्प विद्युत वितरण निगमों को कम से कम 26 फीसदी इक्विटी निजी क्षेत्र को बेचने और प्रबंधन निजी क्षेत्र का स्वीकार करने और तीसरा विकल्प विद्युत वितरण निगमों को स्टॉक एक्सचेंज में लिस्ट कराए जाने का है। उन्होने आश्चर्य व्यक्त किया कि ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स की मीटिंग में लिए गए निर्णय के आधार पर केंद्रीय वित्त मंत्रालय और केंद्रीय विद्युत मंत्रालय ने इस मसौदे पर काम करना शुरू कर दिया है और बताया जा रहा है कि संसद के आगामी बजट सत्र में केंद्र सरकार यह प्रस्ताव रखने और पारित करने वाली है।

विश्व मंच तक पहुंची अवधी स्वादों की महक

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने वैश्विक पहचान की नई ऊँचाई छू ली है। राजधानी लखनऊ को यूनेस्को ने 'क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी' घोषित किया है। यह सम्मान उस शहर को मिलता है जो अपनी खानपान परंपरा, सांस्कृतिक विविधता और नवाचार से विश्व को प्रेरित करता है। यह घोषणा उज़्बेकिस्तान के समरकंद में आयोजित यूनेस्को की 43वीं जनरल कॉन्फ्रेंस में 'वर्ल्ड सिटीज डे' के अवसर पर की गई। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदृष्टि और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज देश का गौरव बन चुका है। लखनऊ की यह उपलब्धि उसके समृद्ध खानपान और संस्कृति की वैश्विक स्वीकृति है। उन्होंने कहा कि लखनऊ की गैस्ट्रोनॉमी को मिली यह पहचान पर्यटन क्षेत्र की बढ़ती शक्ति और 'विकसित उत्तर प्रदेश' के विजन को साकार करने का प्रमाण है ।उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने लखनऊ के लिए नामांकन 31 जनवरी 2025 को केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय को भेजा था। विस्तृत समीक्षा के बाद भारत सरकार ने 3 मार्च 2025 को यूनेस्को को अंतिम डॉसियर प्रस्तुत किया। 31 अक्टूबर को आयोजित कॉन्फ्रेंस में लखनऊ को औपचारिक रूप से 'क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी' नेटवर्क में शामिल किया गया।

लखनऊ, कानपुर, आगरा सहित छह जिलों में होगा विशेष विकास कार्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के औद्योगिक और बुनियादी ढांचे के विकास को लेकर बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बन रहे एक्सप्रेसवे केवल सड़कें नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की आर्थिक रीढ़ हैं। ये प्रोजेक्ट आने वाले वर्षों में निवेश, उद्योग और रोजगार के नए अवसरों का आधार बनेंगे। मुख्यमंत्री ने यह बातें शुक्रवार को उत्तर प्रदेश इंडस्ट्रियल एक्सप्रेसवे डेवलपमेंट अथॉरिटी (यूपीडा) की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में कहीं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि गंगा एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य दिसंबर तक हर हाल में पूरा किया जाए। बैठक में मेरठ-हरिद्वार लिंक एक्सप्रेसवे, नोएडा-जेवर लिंक, चित्रकूट-रीवा लिंक, विंध्य एक्सप्रेसवे और विंध्य-पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेसवे जैसे प्रोजेक्ट्स पर विस्तृत चर्चा हुई। सीएम योगी ने कहा कि सभी नई परियोजनाओं की रूपरेखा भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के नेटवर्क को ध्यान में रखकर तैयार की जाए, ताकि दोहराव से बचते हुए एकीकृत और संतुलित सड़क तंत्र तैयार हो सके। मुख्यमंत्री ने लखनऊ, कानपुर, झांसी, आगरा, अलीगढ़ और चित्रकूट, इन छह जिलों में डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के तहत विशेष काम शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन जिलों में स्किल डेवलपमेंट सेंटर स्थापित किए जाएं ताकि स्थानीय युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण देकर रक्षा उद्योग से जोड़ा जा सके। बैठक में जानकारी दी गई कि अब तक कॉरिडोर के लिए 30,819 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं और 5039 एकड़ भूमि अधिग्रहीत की जा चुकी है। कई कंपनियां अपने प्रोजेक्ट्स पर काम भी शुरू कर चुकी हैं। सीएम योगी ने चेतावनी दी कि अगर किसी निवेशक ने तीन वर्ष के भीतर परियोजना पर कार्य शुरू नहीं किया, तो भूमि आवंटन स्वतः निरस्त कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भूमि उन्हीं निवेशकों को मिलेगी जो प्रदेश के विकास के प्रति गंभीर हैं। बैठक में यह भी बताया गया कि सभी प्रमुख एक्सप्रेसवे के किनारे औद्योगिक क्लस्टर और लॉजिस्टिक पार्क विकसित किए जा रहे हैं। इन क्षेत्रों में बिजली, जलापूर्ति, ट्रक टर्मिनल और हेल्थ सुविधाओं की योजनाएं समयबद्ध रूप से पूरी की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि एमएसएमई और स्थानीय उद्यमियों को इन प्रोजेक्ट्स में प्राथमिकता दी जाए। यूपीडा ने भूमि आवंटन और परियोजना अनुमोदन की प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन और सिंगल विंडो सिस्टम के तहत लागू किया है।

डीके ठाकुर को डीजी बनाने की राज्यपाल नें दी स्वीकृति

लखनऊ। आईपीएस अफसर अभय प्रसाद के सेवानिवृत होनें के बाद प्रदेश की राज्यपाल नें आईपीएस अफसर डी.के् ठाकुर को डीजी बनाये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी है।भारतीय पुलिस सेवा उ0प्र0संवग के अधिकारी ध्रुव कान्त ठाकुर, आईपीएस. आरआर.1994 को 01नवम्बर 2025 अथवा कार्यभार ग्रहण करने की तिथिए जो भी बाद में हो, से पुलिस महानिदेशक वेतनमान पे.मैट्रिक्स लेवल.16, रू0.2.05400.2.24400 के पद पर पदोन्नति प्रदान किये जाने की राज्यपाल नें सहर्ष स्वीकृति प्रदान की है।

पटेल जयंती पर नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ने अर्पित की श्रद्धांजलि

लखनऊ,। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने मऊ प्रवास के दौरान आज प्रातः बलिया मोड़ स्थित लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी एवं नागरिक उपस्थित रहे। मंत्री श्री शर्मा ने डॉ. भीमराव अंबेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम, मऊ में आयोजित सरदार पटेल की 150वीं जयंती समारोह में भाग लिया। उन्होंने रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम का शुभारंभ किया।कार्यक्रम में भारी संख्या में विद्यार्थी, एनसीसी कैडेट्स, स्काउट्स, स्वयंसेवी संस्थाओं के सदस्य एवं नागरिक शामिल हुए। एकता दौड़ में उत्साहपूर्वक भाग लेकर राष्ट्रीय एकता, अखंडता और भाईचारे का संदेश दिया। श्री शर्मा ने कहा कि लौह पुरुष सरदार पटेल ने भारत की स्वतंत्रता और एकीकरण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उन्होंने आजादी के बाद 563 रियासतों का एकीकरण कर भारत को अखंड स्वरूप प्रदान किया। उन्होंने कहा, अगर सरदार पटेल न होते, तोप आज का भारत इस रूप में नहीं होता। सरदार पटेल न केवल भारत के लौह पुरुष थे बल्कि वे राष्ट्र की एकता,दृढ़ इच्छा शक्ति और राष्ट्र निष्ठा के प्रतीक थे। सरदार पटेल देश की एकता, साहस और संकल्प शक्ति के प्रतीक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक भारत श्रेष्ठ भारत का संकल्प, सरदार पटेल के स्वप्नों को साकार करने का माध्यम है।

जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने वाले गिरोह का खुलासा

लखनऊ। यूपी एसटीएफ नें फर्जी वेबसाइट, साफ्टवेयर एवं पोर्टल के जरिये अन्तर्राज्यीय स्तर पर फर्जी तरीके से जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने वाले संगठित गिरोह के पांच सदस्यों को राजधानी के दुबग्गा तिराहा एवं ग्राम पिपरा बिटोरा इमलिया विशुनपुर बैरिया थाना-मोतीगंज जनपद गोण्डा से गिरफ्तार किया है। पकड़े गये लाल बिहारी पाल निवासी 6657/9-271ए सुभाष नगर, भोलाखेडा, मानसनगर, थाना कृष्णानगर, लखनऊ व रवि वर्मा निवासी ग्राम-पिपरा बिटोरा इमलिया, विशुनपुर, बैरिया, थाना मोतीगंज, जनपद गोण्डा व सोनू वर्मा निवासी ग्राम-पिपरा बिटोरा इमलिया, विशुनपुर, बैरिया थाना मोतीगंज जनपद गोण्डा व बंशराज वर्मा निवासी ग्राम- पिपरा बिटौरा इमलिया, विशुनपुर बैरिया, थाना- मोतीगंज, जिला- गोंडा व सत्यरोहन वर्मा पुत्र गंगाराम बर्मा निवासी ग्राम-पिपरा बिटोरा इमलिया, विशुनपुर, बैरिया थाना मोतीगंज, जनपद गोण्डा के पास से पांच मोबाईल फोन व चौदह आयुष्मान कार्ड व सात एटीएम तथा पच्चीस फर्जी जन्म प्रमाण पत्र व पांच मृत्यु प्रमाण पत्र व नकद सत्ताइस हजार छः सौ नब्बे रूपये व एक डीएल व एक हार्ड डिस्क तथा एक बैगन आर कार बरामद किया है। यूपी एसटीएफ के मुताबिक फर्जी वेबसाइट, साफ्टवेयर व पोर्टल के जरिये फर्जी जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने एवं इन्ही प्रमाण पत्रो के माध्यम से अनाधिकृत तरीके से लाभ प्राप्त कर फर्जी मैनामा व वसीयत में प्रयोग करने की जानकारी मिल रही थी।

गन्ने का जितना मूल्य बढ़ाया नही उससे अधिक विज्ञापन पर खर्च कर दिया-अखिलेश

सत्ता में आने पर सरदार पटेल के नाम पर बनेगा विश्वविद्यालय

अखिलेश यादव एक से पांच नवम्बर तक बिहार में करेंगे प्रचार

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव एक से पांच नवम्बर तक बिहार विधान सभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के पक्ष में चुनावी जनसभाएं करेंगे। श्री यादव 01 नवम्बर को पहली जनसभा पूर्णिया जिले के धमदहा विधान सभा क्षेत्र में दूसरी जनसभा मधुबनी जिले के बबूराही विधानसभा क्षेत्र में तीसरी जनसभा दरभंगा जिले के बहादुरपुर विधानसभा क्षेत्र में करेंगे। इसके बाद 02 नवम्बर को समस्तीपुर के सराय रंजन विधानसभा क्षेत्र में, सीतामढ़ी जिले के सीतामढ़ी विधानसभा क्षेत्र में व सारण जिले के छपरा विधानसभा क्षेत्र में चुनाव जनसभा को सम्बोधित करेंगे। 03 नवम्बर को पूर्वी चंपारण जिले के कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र में, सिवान जिले के रघुनाथपुर विधानसभा क्षेत्र में, महराजगंज विधानसभा क्षेत्र के महराजगंज विधानसभा क्षेत्र में व कैमूर जिला के भभुआ विधानसभा क्षेत्र में जनसभा करेंगे। 04 नवम्बर को रोहताश जिला के दिनारा विधानसभा क्षेत्र में, औरंगाबाद जिला के ओबरा विधानसभा क्षेत्र में व बोधगया विधानसभा क्षेत्र में जनसभा को सम्बोधित करेंगे। जबकि 05 नवम्बर को नवादा जिला के नवादा विधानसभा क्षेत्र में, जमुई जिला के जमुई विधानसभा क्षेत्र में, बांका जिला के बेलहार विधानसभा क्षेत्र में व भागलपुर जिला के नाथनगर विधानसभा क्षेत्र में चुनावी जनसभा सम्बोधित करेंगे।

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने गन्ना मूल्य पर प्रदेश की भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि 30 रुपये कम बढ़ाया गया है। इससे अधिक तो प्रचार-प्रचार पर खर्च कर दिया गया। गन्ना मूल्य का विज्ञापन अंग्रेजी में दिया गया, इसे किसान भला कैसे समझेगा। उन्होंने कहा कि जैट जीपीटी की माने तो आरएसएस ने ऐसा वातावरण पैदा किया जिससे नाथू राम गोडसे ने गांधी जी की हत्या की। भाजपा साम्प्रदायिक व सौहार्द बिगाड़ने वाली पार्टी है। उन्होंने वादा किया सत्ता में आने पर सरदार पटेल के नाम पर विश्वविद्यालय बनाएंगे। शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में उन्होने बातचीत के दौरान कहा कि सरकार ने महंगाई और बढ़ती लागत मूल्य के अनुपात में गन्ना मूल्य कम बढ़ाया है। सरकार गन्ने से मुनाफा कमा रही है, लेकिन किसानों को लाभकारी मूल्य नहीं दे रही है। सरकार मिल मालिकों से मिली हुई है। बहराइच की चीनी मिल गन्ना किसानों का 100 करोड़ रुपये से ज्यादा लेकर भाग गई। भाजपा सरकार किसान को खाद, डीएपी, एनपीके नहीं उपलब्ध करा पा रही है। किसानों का धान एमएसपी पर नहीं खरीदा जा रहा है। भाजपा सरकार मंडिया बेचना चाहती है। शहरों में किसान मंडियां बहुत कीमती जमीनों पर हैं। सरकार निजी हाथों को देना चाहती है। उन्होंने मतदाता सूची के एसआईआर में जातीय जनगणना के लिए कालम जोड़ने की मांग की। इससे प्राथमिक स्तर पर जातीय जनगणना का भी काम हो जाए और नीतियां बनाने योजनाएं लागू करने, गरीबों को आर्थिक व सामाजिक रूप से बराबर खड़ा करने में मदद मिलेगी। इससे मंडल कमीशन की तरह फैसले लेने और सामाजिक न्याय के राज की स्थापना में आसानी होगी। उम्मीद है कि सरकार इस सुझाव को मानेगी और लागू करेगी। श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में दलितए पिछड़ोंए अल्पसंख्यकों पर अत्याचार चरम पर है। पीडीए के साथ अन्याय हो रहा है। काकोरी की घटना हो या बलरामपुर की, दलितों, पिछड़ों को अपमानित किया जा रहा है।

छात्र-छात्राओं ने किया विधानसभा का शैक्षणिक भ्रमण

विधानसभा में गूंजती है जनता की आवाज-महाना

लखनऊ,। उत्तर प्रदेश विधानसभा का आज एलेन हाउस पब्लिक स्कूल कानपुर के छात्र-छात्राओं के दल ने शैक्षणिक भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने विधानसभा भवन की ऐतिहासिक विरासत, वास्तुकला और लोकतांत्रिक कार्यप्रणाली को नजदीक से देखा और समझा। इस अवसर पर विद्यार्थियों में लोकतंत्र के प्रति उत्सुकता और गर्व की भावना झलकी ।विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि जब तक किसी व्यक्ति या संस्था के बारे में जानकारी नहीं होती, तब तक उसके प्रति नकारात्मक धारणा बनी रहती है। यह मानव स्वभाव है कि पहले नकारात्मक विचार आते हैं, लेकिन जब हम किसी विषय को गहराई से समझते हैं, तो दृष्टिकोण सकारात्मक हो जाता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की शक्ति जनता में निहित है और विधानसभा उस शक्ति का प्रतीक है जहाँ जनता की आवाज गूंजती है। उन्होंने विद्यार्थियों को विधानसभा और विधानपरिषद की भूमिकाओं के बारे में विस्तार से बताया तथा यह भी समझाया कि देश के केवल कुछ राज्यों में ही विधानपरिषद की व्यवस्था है। सदन में प्रश्नकाल, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव, और विधेयक पारित करने जैसी प्रक्रियाओं के माध्यम से जनहित के मुद्दों पर गंभीर चर्चा होती है ।विधानसभा अध्यक्ष ने विद्यार्थियों को सदन का भ्रमण कराते हुए बताया कि सदन में कौन कहाँ बैठता है, गैलरियों का क्या महत्व है, और कार्यवाही कैसे संचालित होती है। वर्ष में तीन सत्र होते हैं, जिनमें प्रदेश के विकास, कानून व्यवस्था, और सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों पर विधायक विचार-विमर्श करते हैं। कोई सदस्य तभी बोल सकता है जब स्पीकर की अनुमति मिलती है, क्योंकि अनुशासन और मर्यादा ही लोकतंत्र की पहचान है। विद्यार्थियों से कहा कि वे इस भ्रमण से प्राप्त अनुभव को जीवन में उपयोग करें और अपने साथियों, अभिभावकों तथा समाज में लोकतंत्र की समझ को साझा करें। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि देश के भावी नागरिक के रूप में आप सभी का दायित्व है कि लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करें और समाज के प्रति उत्तरदायित्व निभाएं ।इस अवसर पर विद्यालय के अध्यापक भी उपस्थित रहे, जिन्होंने विधानसभा भ्रमण को विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणादायक अनुभव बताया। विद्यार्थियों ने विधानसभा अध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह भ्रमण उनके लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक और स्मरणीय रहा।

डॉ. शक्ति सिंह साधू (प्रधान सम्पादक), डॉ. प्रवीण (प्रबंध सम्पादक), एडवोकेट शैलेन्द्र श्रीवास्तव (कानूनी सलाहकार), राकेश अग्रवाल (जिला ब्यूरो उत्तर प्रदेश) अब्दुल नासिर स्टेट ब्यूरो उत्तर प्रदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शक्ति सिंह द्वारा राज तरूण आफसेट, एल0जी0एफ0 5-14, अंसल सिटी सेंटर, हजरतगंज, लखनऊ- 226001 से मुद्रित तथा 486/238-डी, डालीगंज, निरालानगर, जनपद लखनऊ-226020 से प्रकाशित।

सम्पादक- शक्ति सिंह मो0 7052608007 नोटः समाचार पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।